>

Title: Regarding abduction and release of Collector and Junior Engineer of Malkangiri district of Orissa by Maoist.

श्री भक्त चरण दास (कालाहांडी): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। उड़ीसा के मलकानगिरी जिले के जिलापाल और आदिवासी जूनियर इंजीनियर को 16 तारीख को माओवादी लोग अगवा करके ले गये थे और उन्हें नौ दिन बाद यानी 24 तारीख को छोड़ा। मैं कहना चाहता हूं कि पिछले नौ दिनों में राज्य सरकार, प्रशासन सक्रिय हो गयी थी। कुछ भी हो, लेकिन एक शांति का वातावरण मिला है। जो लोग मध्यस्थता कर रहे थे, उनके माध्यम से बातचीत की शुरुआत हुई है। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि देश में जंगल, पिछड़े और आदिवासी इलाके के विकास के लिए भारत सरकार काफी योजनाओं में पैसा खर्च कर रही है। करीब सात माओवादी जिलों में भारत सरकार काफी पैसा खर्च कर रही है, लेकिन वह पैसा खर्च नहीं हो पा रहा है, वहां का विकास नहीं हो पा रहा है, क्योंकि ठेकेदार और अफसर मिलकर उस पैसे को खा रहे हैं। इसलिए उस इलाके में शांति बहाल करना बहुत जरूरी है, चाहे वह छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश के बॉर्डर एरियाज हों। इन सारे इलाकों में माओवादी भाइयों से बातचीत करने के लिए एक अच्छा वातावरण बनाया जाये, क्योंकि हाल ही में जो बातचीत हुई जिससे कलैक्टर को रिलीज किया गया, उससे एक आशा दिखती है कि इस बारे में पीस रेस्टोर की जाए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : भक्त चरण दास, जी कृपया करके आप अपनी बात संक्षेप में कीजिए क्योंकि इसके बाद प्राइवेट मैम्बर्स बिल भी लेना है।

â€¦(व्यवधान)

श्री भक्त चरण दास : उपाध्यक्ष महोदय, मैं वाइंड अप ही कर रहा हूं। उड़ीसा में यह नयी बात नहीं है। पिछले कई सालों से ऐसा ही चल रहा है। भारत सरकार की सारी योजनाएं वहां फ्लॉप हैं। मैं कहना चाहता हूं कि भारत सरकार इस बारे में दयापूर्वक कार्य करे, ताकि आने वाले दिनों में ऐसी स्थिति न बने।